वार्षिक पाठ्यक्रम

सत्र २०२६ -- २७

विषय हिन्दी कक्षा १२

पाठ्य पुस्तकें १. अन्तरा {भाग २ एन सी ई आर टी}

२. अंतराल { भाग २ एन सी ई आर टी}

३. अभिव्यक्ति और माध्यम { एन सी ई आर टी }

दिनांक	*विषय । शीर्षक*	*कक्षा कार्य / गृह कार्य*	**शिक्षण कला**	**समकेलित गतिविधि/** ***सतत विकास लक्ष्य***	**सीखने के परिणाम**
अप्रैल १ – १५ - ११ दिन	*अलंकार*	*अलंकार* *प्रश्न अभ्यास*	*ग्राफिक औग्र्ज़िशन* द्वारा		**भाव वह है जो रस बन जाता है। अनुभूति / संवेदना से अवगत हो सकेंगे ।**
	रस	अभ्यास कार्य	आनंद, भावना, भाव के उत्कटता के वर्णन द्वारा ,विभिन्न रोचक प्रसंगों , सीरियल , फिल्मों के विवरण द्वारा		
१६ – ३० - १३ दिन	अभिव्यक्ति और माध्यम – • विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन	जनसंचार के विभिन्न माध्यमों की खूबियाँ व कमियाँ *लघु प्रश्न*	जनसंचार के आधुनिक व परंपरागत	इतिहास विषय से जोड़कर उदाहरण विधि द्वारा	

			माध्यमों के चित्रों का संकलन		
	अंतरा ; पाठ प्रेमधन की छाया स्मृति	*पाठ प्रश्न अभ्यास*	*लघु प्रश्न*		**पाठ आचार्य रामचंद्र शुक्ल के बचपन में प्रेमधन के प्रति साहित्यिक रुझान और उनके व्यक्तित्व के विकास पर प्रेमधन के प्रभाव को दर्शाता है, जो मार्गदर्शन और उचित परिवेश से परिचित हो सकेंगे।**
		पाठ प्रश्न *अभ्यास*	*हास्य और व्यंग्य का छोंक सहित शुक्ल जी अपने बाल्य काल को पाठक के साथ बाँटते हुए जीवन के खट्टे मीठे अनुभवों से जोड़ते हुए* **।**		
	अन्तरा ; पाठ सुमरिनी के मनके प्रेमधन की छाया स्मृति		*विभिन्न सामाजिक चिंताओं को अभिव्यक्त करते हुए मनुष्य एवं मनुष्यता को बचाने का वर्णन* **।**	*शांतिऔर न्याय के लिए मजबूत संस्था*	**समाजिक रूढ़ियों पर सवाल उठाने और स्वतंत्र चिंतन को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।**
	अंतराल; सूरदास की झोंपड़ी { प्रेमचंद }		जीवन मूल्यों पर आधारित कहानियाँ सुनाना।	मनोविज्ञान विषय से जोड़कर/ गरीबी ख़तम करना	**पाठ वंचित वर्ग की कठोर वास्तविकता, दृढ़ता और आत्मसम्मान को**

					दर्शाता है,नैतिकता और ईमानदारी की शिक्षा देता है, जिससे शिक्षार्थी सहानुभूति और संवेदनशीलता की भावना को समझने में सक्षम होंगे ।
मई *१-१५* – ११ दिन १६-२२ ६ *दिन*	अभिव्यक्ति और माध्यम – • कैसे बनती है कविता • *फीचर लेखन* *अन्तरा* - कविता *देवसेना का गीत कार्नेलिया का गीत* कवि *जयशंकर प्रसाद* काव्य व शिल्प सौंदर्य में अंतर स्पष्ट करना	कविता की रचना प्रक्रिया *पाठ - प्रश्न अभ्यास* *सप्रसंग व्याख्या पाठ प्रश्न अभ्यास*	*अतिरिक्त अभ्यास पुस्तिका* *फीचर लेखन* वीडियो प्रदर्शन द्वारा व्याख्यान विधि एव श्याम पट वर्णन	इतिहास विषय से जोड़कर करवाया जायेगा / भूगोल विषय से जोड़कर पढाया जायेगा	**देवसेना का गीत" निराशा, व्यर्थ प्रयासों और खोई हुई आशाओं को दर्शाता है, जबकि "कार्नेलिया का गीत" आत्म-खोज और जीवन के उद्देश्य की अनिश्चितता पर केंद्रित है. उपरोक्त भावों से परिचित होकर समझने में सक्षम**

	अंतरा ; पद्य; भरत– राम का प्रेम { तुलसीदास}	*सप्रसंग - व्याख्या प्रश्न अभ्यास*			
जुलाई १– १५ - १२ दिन	*आलेख लेखन* *अंतरा* पाठ *कच्चा चिटठा बृजमोहन दास* *अंतरा कविता ; गीत गाने दो मुझे* और सरोज स्मृति {कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला}	*पाठ प्रश्न अभ्यास सप्रसंग व्याख्या* *पाठ प्रश्न अभ्यास सप्रसंग व्याख्या*	समाचार पत्र द्वारा *रिपोर्ट । आलेख लेखन*/ फीचर लेखन काव्य व शिल्प सौंदर्य में अंतर स्पष्ट करना	लक्ष्य प्राप्त हेतु सांझेदारी	
जुलाई १६ – ३१ - १४ दिन	*अंतराल* - पाठ *बिस्कोहर की माटी* {लेखक विश्व नाथ त्रिपाठी}	*प्रश्न अभ्यास*	*पत्र । रचनात्मक लेखन प्रारुप वर्णन*	भूगोल विषय से जोड़कर/ जलवायु कारवाई	**बचपन के अनुभव और गाँव का वातावरण हमारे व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और अपनी जड़ों से जुड़े रहना और प्रकृति के साथ सद्भाव**

अगस्त *१– १५ - १० दिन* *१६– ३१ - ११ दिन*	अभिव्यक्ति और माध्यम – • पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रुप और लेखन प्रक्रिया नाटक लिखने की रचना प्रक्रिया *अंतरा* – पाठ *संवदिया* फणीश्वर नाथ रेणु *पद्य* - *बारह मासा* कृत मालिक मोहमद जायसी *पाठ– गाँधी नेहरु और यासेसर* अराफात लेखक भीष्म साहनी	लघु प्रश्न / विस्तृत प्रश्न नाटक के तत्व, समय प्रबंधन का महत्व, पात्र संख्या व परिवेश का महत्व *प्रश्न अभ्यास सप्रसंग व्याख्या*	पात्र बनाकर अभिनय सिखाना। मानवीय संवेदनाओं पर आधारित सम्बंधित लघु कथाओं से जोड़कर	भूगोल विषय से जोड़कर लक्ष्य प्राप्त हेतु सांझेदारी	**बनाकर रहना जीवन के महत्वपूर्ण पहलू हैं। भावों को संख सकेंगे** **संवदिया का अर्थ , गहरी मानवीय संवेदना के कारण अभावग्रस्त जनता की बेबसी और पीड़ा स्वयं भोगते-से लगते हैं। इस संवेदनशीलता के साथ उनका यह विश्वास भी जुड़ा है कि आज के त्रस्त मनुष्य के भीतर अपनी जीवन-दशा को बदल देने की अकूत ताकत छिपी हुई है।**

सितम्बर *१ – १५ -* **११ *दिन*** *१५ – ३० –* **१३ *दिन***	विशेष लेखन स्वरूप व प्रकार अभिव्यक्ति और माध्यम – • कैसे लिखें कहानी *अंतराल* पाठ "*अपना मालवा खाऊ उजाड़ू सभ्यता में* " प्रभाष जोशी *अर्धवार्षिक परीक्षा*	वीडियो प्रदर्शन द्वारा *पाठ प्रश्न अभ्यास*	अद्यतन विषयों पर लेखन करवाना।	भूगोल विषय से जोड़कर/ पर्यावरण संरक्षण	
अक्टूबर १-१५ - ***१० दिन***	*अन्तरा ; गद्य* पाठ *जहाँ कोई वापसी नहीं* निर्मल वर्मा	*पाठ अभ्यास* *सप्रसंग व्याख्या*	*विषय से सम्बंधित वीडियो प्रदर्शन*	भूगोल विषय से जोड़कर पर्यावरण संरक्षण	

१५-३१ - ११ दिन	अभिव्यक्ति और माध्यम ● नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन कैसे करें कहानी का नाट्य रूपांतरण	*पाठ प्रश्न अभ्यास* नाट्य रूपांतरण करते समय आने वाली कठिनाइयों का वर्णन करना।	संवाद लेखन प्रतियोगिता करवाना।		
नवम्बर *१– १५ -* *९दिन* *१५ – ३०* *१२ दिन* *दिसम्बर* १ - १५ -- १२ दिन	अभिव्यक्ति और माध्यम ● कैसे बनता है रेडियो नाटक *{रघुवीर सहाय}* *विद्यापति के पद* *पुनरावृति कार्य*	रेडियो नाटक बनाते समय ध्यान रखने योग्य बातों का वर्णन। *पाठ प्रश्न अभ्यास एव सप्रसंग व्याख्या* *पाठ प्रश्न अभ्यास*	संवादों के कुछ अंश रिकार्ड करके रेडियो नाटक के रूप में प्रस्तुत करना। *जन सं चा र माध्यम* *लघु प्रश्न*		

१६ – ३१ - - १२ दिन **जनवरी ---** **१६ से ३१ -** **१२ दिन**	*प्री बोर्ड परीक्षा* *पुनरावृति कार्य*				